Reg. No. | | | | | | | | | | | |

BBAHDLS 101

I Semester B.B.A. Degree Examination, December 2024/January 2025
(2024-25 Batch Onwards) (SEP)
Language 2 – HINDI

S.D.M.C. OF BUSINESS MANAGEMENT LIBRARY

Time : 3 Hours Max. Marks : 80

I. **एक** वाक्य में उत्तर लिखिए :- **(20×1=20)**

१) हिंदी कहानी के विकास में किस पत्रिका की भूमिका महत्वपूर्ण थी ?

२) गुलेरी जी का पूरा नाम क्या है ?

३) 'बीस सुबहों के बाद' के कहानीकार कौन है ?

४) 'दुलाईवाली' किसकी रचना है ?

५) सातवें दशक की कहानी के मुख्य स्वर क्या थे ?

६) मोहन रामधन के साथ कहाँ गया ?

७) खड़गसिंह ने स्वयं को किसका सौतेला भाई बताया ?

८) महाजन का नाम क्या था ?

९) किसान का हाथ पैर किसे कहा गया है ?

१०) लकड़ी क्यों नहीं कट रही थी ?

११) बाबा भारती के घोड़े का नाम क्या था ?

१२) पन्ना के पति का नाम क्या था ?

१३) मीरा नाची किस तरह की कहानी है ?

१४) पत्नी कहानी में पति का नाम क्या था ?

१५) सेठानी किसके कारण परेशान रही थी ?

१६) सेठजी अँगीठी के सामने बैठे क्या देख रहे थे ?

१७) खिड़की से उतारते वक्त किसने नन्हकूसिंह को मारते हुए देखा ?

१८) सुनंदा की उम्र कितनी है ?

१९) दुखिया पंडित के पास क्यों गया ?

२०) चमरौने में लाश न उठाने के लिए किसने कहा ?

P.T.O.

II. अ) कर्मफल कहानी में अभिशप्त जीवन का चित्रण हुआ है पठित कहानी के आधार पर सिद्ध कीजिए । (1×10=10)

अथवा

"हार की जीत" कहानी का सारांश अपने शब्दों में लिखिए ।

आ) बैल की बिक्री कहानी का सारांश अपने शब्दों में लिखिए । 10

अथवा

'मीरा नाची' कहानी का सार लिखकर उसकी विशेषताओं पर प्रकाश डालिए ।

III. किन्हीं **दो** पर टिप्पणी लिखिए : (2×5=10)

१) मोहन

२) कालिंदी चरण

३) रामेश्वर

IV. किसी **एक** प्रश्न का उत्तर लिखिए : (1×10=10)

१) संक्षेपण का अर्थ लिखकर उसके तत्वों को विस्तार से लिखिए ।

२) पल्लवन के अर्थ के साथ उसके तत्वों को स्पष्ट लिखिए ।

V. अ) पल्लवन कीजिए :- "विदेशी भाषा का विद्यार्थी होना बुरा नहीं पर अपनी भाषा सर्वोपरि है" 10

आ) नीचे दिए गए गद्यांश को शीर्षक के साथ संक्षेप में लिखिए :- 10

साहित्य की भूमि पर कालिदास और तुलसीदास जितने हमारे हैं उतने ही सारे विश्व के हैं तथा शेक्सपियर गोर्की टॉलस्टॉय आदि जितने विदेशों के हैं, उतने ही हमारे हैं । हम धरती पर दीवारे खड़ा करके देश को बाँट सकते हैं, लेकिन उन दीवारों की ऊंचाई से आकाश खंड-खंड नहीं हो सकता । हम तौलकर बादलों का बंटवारा नहीं कर सकते, नापकर किरणों को विभाजित नहीं कर सकते और गिनकर तारों को नहीं ले सकते । वे सबके होने के साथ ही प्रत्येक के हैं । इसी प्रकार की एकता साहित्य में मिलती है । यदि हम नई पीढ़ी में एकता बनाए रखना चाहते हैं, तो हमें शिक्षा में साहित्य और संस्कृति को ऐसा महत्वपूर्ण स्थान देना होगा, जिससे विद्यार्थी को मानव एकता तथा विश्व-बंधुत्व का संकेत प्राप्त हो सके और वह अधिक महत्वपूर्ण मनुष्य बन सके । इसके साथ ही साथ हमें अपनी नवीन पीढ़ी के विधाता साहित्यकारों तथा शिक्षकों को भी उपेक्षणीय स्थिति से मुक्त कराना होगा ।